12.24 hrs.

Title: Felicitations to hon`ble Speaker on his completion of one year in office.

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) : अध्यक्ष महोदय, हम आपको कार्यकाल का एक साल पूरा करने के लिए बधाई देते हैं। आगे भी आपको हमारा पूरा सहयोग रहेगा। आपने जिस तरह से उत्तेजित सदन को शान्त किया, इसके लिए हम आपको बहुत-बहुत बधाई देना चाहते हैं। यह जो सत्र है, इसमें आपने परम्पराओं और मर्यादाओं का पालन किया है, हम आपके इस कार्यकाल को नहीं भूलेंगे और आगे भी आप इस सदन को इसी तरह से चलाते रहें, इसके लिए हमारी तरफ से आपको पूरा सहयोग मिलेगा।

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : कालिंग अटेंशन मोशन लेने के पहले मैं निवेदन करना चाहूंगा कि सारे के सारे सदस्यों को एक साल पूरा होने के बारे में तो मालूम भी नहीं है, लेकिन हम लोगों को मालूम है। जब एक साल का कार्यकाल पूरा हो रहा है तो एक साल के दरम्यान जिस तरीके से, जिस दक्षता से आपने सारी चीजों के बावजूद भी हाउस की कार्यवाही को चलाया है, सबसे बड़ी बात यह है कि इस पार्लियामेंट के इस सत्र का आज अन्तिम दिन है, जिस तरह से आपने सदन के कार्य को चलाया है और किसी को आपने गलत आभास नहीं होने दिया, जो प्रिजाइडिंग आफिसर्स का होना चाहिए। जज की कुर्सी पर आप बैठे हुए हैं, आपने सब को न्याय देने का काम किया है। इसके लिए हर पार्टी के लोग, हर वर्ग के लोग आपके प्रति अनुगृहीत हैं। हम आपको और आपके स्टाफ को, जिस तरह से लगन के साथ स्टाफ के लोग, सैक्रेट्रिएट के लोग भी काम कर रहे हैं, हम सब को अपनी ओर से और अपने तमाम साथियों की ओर से बधाई देते हैं। आप दीर्घायु हों और इसी तरह से हम लोगों का मार्गदर्शन करते रहें।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Mr. Speaker, Sir, it is really a very happy occasion. I am feeling extremely happy to be able to offer my whole-hearted appreciation of the manner in which you have been presiding over the deliberations of this most important institution of our country.

Sir, you will be completing one year term tomorrow. Not only I wish to convey my sincere congratulations but also our best wishes for your continuing success.

Every section of the House feels that in you we have a friend, not only of the Members here but a friend of the entire Opposition also, and a Presiding Officer who is keenly concerned with the maintenance of the basic principles of parliamentary democracy. We have always received full consideration from you. And, the faith we had expressed during your election as Speaker, has been more than fully justified. We deeply appreciate it.

Sir, you are presiding over a very large family - a family of the Members, a family of the entire Secretariat and staff. I am sure, everybody will feel happy, as they do feel happy under your dispensation. I can, on behalf of my party, assure you the fullest cooperation from our party and Members, and I believe that the entire Opposition shares with us this feeling that we want your success because you have shown your capability, you have earned our faith and confidence by the way you have conducted the House.

Sir, once again, I wish you continuing success so that this great institution becomes an institution of the people.Thank you.

श्री विलास मुत्तेमवार (नागपुर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, लोक सभा के अध्यक्ष पद पर एक साल पूरा करने के उपलक्ष में, मैं कांग्रेस पार्टी की ओर से आपका अभिनंदन करता हूं। मेरे पूर्ववक्ताओं ने जो भी अपनी संवेदनाएं और विचार व्यक्त किये, उससे मैं अपने आपको सम्बद्ध करता हूं। सदन की गरिमा को कायम रखते हुए आपने जिस सुचारू रूप से सदन की कार्यवाही चलाई, उसके लिए हम आपको शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि आने वाले दिनों में आपका कार्यकाल इसी तरह का हो। इसके लिए हम आपको शुभेच्छा देते हैं और आपके अच्छे आरोग्य की कामना भी करते हैं। इन्हीं शब्दों के साथ मैं फिर से आपका अभिनंदन करता हूं।

श्री चन्द्रशेखर (बलिया, उ.प्र.) : अध्यक्ष जी, जिन विाम परिस्थितियों में आपने धीरज पूर्वक और यदि मैं कहूं कि साहस पूर्वक इस सदन को चलाया है, उसके लिए मैं आपको ह्रदय से बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि आप इन परिस्थितियों को पार करेंगे। कभी-कभी मन में शंका होती है कि कहीं आपके रहते ही यह संसद निक्रिय न हो जाये क्योंकि जिस तरह का भााण यहां हर परिस्थिति में दिया जाता है, मैं भी उनका जवाब देना जानता हूं लेकिन परिस्थितियों को देखकर मैं चुप रहता हूं। लेकिन जिस प्रकार से आपने संयम दिखाया, साहस दिखाया, धीरज दिखाया और कुशलता पूर्वक इस सदन को चलाया, उसके लिए मैं आपको ह्रदय से धन्यवाद देता हूं। मेरी शुभकामनायें हैं कि आप इसी प्रकार से इस सदन को आगे भी चलाते रहेंगे।

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी पार्टी की ओर से आपके एक वर्ा तक इस पद पर कुशल एवं सफल रूप से कार्य करने के लिए आपको बधाई देता हूं और मैं आपका अभिनंदन करता हूं। इस सदन में कुल मिलाकर 35-40 पार्टियां हैं। इन् पार्टियों के बीच में यहां पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में अनेक पार्टियों के गठजोड़ हैं। उन सबके बीच में सदन को चलाना बहुत ही कठिन काम है। इस कठिन काम को आपने जितनी कुशलता से चलाया है, हम आशा करते हैं कि आने वाले दिनों में भी इसी प्रकार से सदन चलता रहेगा।

यह शायद पहला अवसर है जब किसी स्पीकर का एक वर्ा पूरा होने के बाद उसका अभिनंदन इस रूप में किया गया हो। मैं समझता हूं कि यह आपकी बहुत बड़ी उपलब्धि है कि सभी लोग मिलकर एक वर्ा पूरा होने पर इस तरह से आपको बधाई दे रहे हैं। मैं एक बार पुनः आपका अभिनंदन करता हूं।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुामा स्वराज) : अध्यक्ष महोदय â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : थोड़े से लोग बोलने वाले हैं, वे पहले बोल लें।

श्रीमती सुामा स्वराज : अध्यक्ष महोदय, मैं भी पांच मिनट बोल लूं। सारे लोग तो बोल ही लेंगे। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको तो मैं बोलने की इजाजत देने वाला हूं।

...(व्यवधान)

श्रीमती सुमा स्वराज : कोई और बोलने वाला नहीं है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अभी बहुत लोग बोलने वाले हैं। मैं खुद बहुत ऐम्बैरेसमेंट फील कर रहा हूं। आप समझ सकते हैं।

...(व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : It shows that there is no favouritism for the Minister!

MR. SPEAKER: It is very embarrassing for me. आप तो जानते हैं। मैं थोड़ा ही वक्त दूंगा। पांच-दस मिनट में हम इसे पूरा करेंगे।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं एक के बाद एक को बुलाऊंगा। आप सब एक-एक मिनट में इसे पूरा करिये। सदन का समय इस काम में ज्यादा नहीं जाना चाहिए।

...(व्यवधान)

श्री राशिद अलवी (अमरोहा) : अध्यक्ष महोदय, एक साल इंतहाई खूबसूरती के साथ स्पीकर की हैसियत से आपने पूरा किया, मैं अपनी तरफ से, अपनी पार्टी की तरफ से आपको मुबारकबाद पेश करता हूं। इस हाउस को चलाने में जिस हिम्मत का साथ आपने दिया, जिस तरह से आपने सदन को चलाया उसमें सखावत भी थी और शुजाअत भी थी, हिम्मत भी थी और नजाकत भी थी। उन तमाम खूबियों के साथ आपने इस हाउस को चलाया। बहुत परेशानियों और मुश्किल वक्त के अंदर भी आपने सब्र और हिम्मत का साथ हाथ से नहीं छोड़ा।

मेरी तमाम तरनेक ख्वाहीशात आपके साथ हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि मुस्तकबिल में भी आप हाउस को इसी तरह चलाएंगे। मैं खुदावंद करीम से दुआ करता हूं कि आपको इस हाउस को इसी तरह कम्पीटैंस के साथ चलाने के लिए ताकत अता फरमाएं।

SHRI S.S. PALANIMANICKAM (THANJAVUR): Sir, on behalf of the DMK Party, I felicitate you on completion of one successful year in your career. You have improved the image of the House, both inside as well as outside, by giving importance to the national issues, as well as by taking unanimous decisions. I hope you will be successful in future also.

DR. V. SAROJA (RASIPURAM): Hon. Speaker, Sir, on behalf of the Members of AIADMK, I congratulate you for the way in which you have managed the difficult situations in the House. You have given equal opportunities to both senior as well as junior Members. On this day, I on behalf of 51 crore women of this country, request and hope that the Women Reservation Bill will be passed during your tenure. Thank you.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, जिस पद को आप सुशोभित कर रहे हैं, उस पद के लिए कम से कम दो गुणों का होना आवश्यक है - निष्पक्षता और योग्यता। आप दोनों गुणों से परिपूर्ण हैं। इस वजह से इस कठिन कार्य को आप गतिशील व्यक्तित्व और निर्भीकता के साथ चला रहे हैं। इससे देश की महान् जनता की समस्याओं को उजागर करने का काम आपके नेतृत्व में हो रहा है। गांवों के लोगों की कठिनाइयों और समस्याओं को आपके निर्देशन और परिवेक्षण में हम यहां रख पाते हैं। इसलिए सालभर का समय आपने जिस परिस्थिति में उस पद पर रहकर संभालने का काम किया, इससे लोकतंत्र की गरिमा, संसदीय जनतंत्र की मर्यादा की बढ़ोत्तरी हो रही है और लोकतंत्र का मजबूतीकरण हो रहा है। सालभर के उपलक्ष्य में आपने उस पद का गरिमा के साथ निर्वहन किया और तमाम माननीय सदस्यों और जनाकांक्षाओं की आपूर्ति के लिए समस्याओं को उजागर करने का आपने मौका दिया, इसके लिए आपको बधाई देता हूं और आगे शुभकामनाएं देता हूं कि इसी तरहâ€¦ (व्यवधान)असलियत में यह हम लोगों के अधिकार का मौका है। इसलिए मैं आपको बधाई देता हूं।

श्री रामजीवन सिंह (बलिया, बिहार) : माननीय अध्यक्ष जी, आपका आज एक वर्ा पूरा हुआ है। इस अवसर पर माननीय राम विलास जी, आदरणीय चंद्र शेखर जी, आदरणीय सोमनाथ जी और अन्य सदस्यों ने जिन भावनाओं की अभिव्यक्ति की है, मैं भी उसमें अपनी सहमति देता हूं। आज के दिनों में सदन चलाना कसरत करने जैसा है। जिस समय आपने उस आसन को ग्रहण किया था, बधाई देते हुए कई माननीय सदस्यों ने आशंका प्रकट की थी कि कहीं आप रिमोट कंट्रोल से नियंत्रित तो न होंगे। लेकिन एक वर्ा की अवधि में आपने अपनी दक्षता, निपक्षता और निर्पेक्षता के साथ जिस तरह अपने अधिकारों का निर्वहन किया, यह निश्चित तौर पर जादू है जो सर चढ़कर बोला और आज सब लोग आपकी प्रशंसा कर रहे हैं। मैं भी उसमें हूं और अपनी पूरी शुभकामना देता हूं कि आपकी आयु लम्बी हो, आप बार-बार जीतकर आएं और इसी तरह हम लोगों की सदारत करें। लाख-लाख धन्यवाद।

SHRI E. PONNUSWAMY (CHIDAMBARAM): We are proud of you, Sir. You have brought rich experiences of your administrative ability and public life experience to this House. You have been very nice to everyone. There is a *Kural* which starts like this:

"KADITHOCHCHI MELLA ERIGA"

It means that you must raise your *danda* but you should not beat. You have been very strict sometimes as it was necessary, and you have been very lenient also as it was necessary sometimes. I would make one observation that you have not adjourned the House unnecessarily. You have been controlling this House very well. You have been lenient in giving opportunity to every Member of this House. We all join together to wish you all well. On behalf of our PMK Party, we wish you all better than the best.

श्री जी.एम.बनातवाला (पोन्नानी) : मैं अपनी तरफ से और मुस्लिम लीग की तरफ से दिल-ए-मुबारकबाद पेश कर रहा हूं कि आप जिस बेहतरीन अन्दाज के अंदर इस ऐवान को चला रहे हैं, वह स्पीकर के ओहदे और इस कुर्सी की अज़मत और इसकी शान को बढ़ा रहा है। आपने कॉमन सेंस और रूल्स दोनों को मिलाकर ऐसी शानदार रवायत कायम की है जो अपनी मिसाल आप है। हमें उम्मीद है कि इसी तरीके से यह ऐवान चलता रहेगा। इस वक्त भी देखिए, ज़ीरो ऑवर है और

कितने शांत और सीरिन तरीके से हम यहां पर बैठे हैं और किसी को अपने ज़ीरो ऑवर नोटिस का ख्याल नहीं आ रहा है। कम से कम इस वक्त किसी की तकरीर पर कोई टाइम लिमिट नहीं लगाइए और हमें जितना बोलना है, बोलने दीजिए क्योंकि तकाजा है कि जिस अंदाज में हमारा हाउस चलता रहा और काम करता रहा है, उसके लिए आप काबिले-मुबारकबाद हैं कि आपने टरब्यूलेंट से टरब्यूलेंट हाउस का शानदार ताउन हासिल किया है। हम आपको मुबारकवाद देते हैं और उम्मीद करते हैं कि इसी शान के साथ आपकी सदारत और स्पीकरशिप में यह ऐवान चलता रहेगा।

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (KHAMMAM): Sir, with the greatest pleasure and with the utmost sincerity, I congratulate you on the completion of one year of your rule. It has been a very turbulent and rocky passage over the past one year. There were some Bills which rocked the House and raised our emotions. I would take this opportunity to tell you that even I need protection sometimes.

SHRI S. JAIPAL REDDY (MIRYALGUDA): Sir, what about the protection that we need from her.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY : Sir, when we uphold the cause of plenty of women, we always hope that there will be many more `Renuka Chowdhuries'. I think it is half the reason why they do not allow the passage of the Women Reservation Bill to come through in our House.

Besides that, we are the representatives from the farthest corner of our nation sitting here in Parliament looking after the interests and welfare of the people of India, upholding the finest traditions of Parliament, and the sovereignty of this nation. Sometimes when our emotions run high, you have gently stirred us back into the proper channel. I wish you all the very best and good health and happiness as also some tax free holidays if the Finance Minister and Parliament willing.

We wish you many happy returns till the next elections!

डॉ. सुशील कुमार इन्दौरा (सिरसा) :अध्यक्ष महोदय, आपने जिस बहादुरी के साथ और जिस विनम्रता के साथ बतौर अध्यक्ष इस सदन की कार्यवाही को चलाया है और एक साल पूरा किया है, उसके लिए मैं अपनी पार्टी की तरफ से, हरियाणा के मुख्य मंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की तरफ से और हरियाणा सरकार की तरफ से हार्दिक मुबारकबाद देता हूं और जो गुण हमने देखे हैं, स्वर्गीय चौधरी देवीलाल जी की याद करते हुए मैं एक बात जरूर कहूंगा कि जिस तरह से परिवार के मुखिया के नाते स्वर्गीय देवीलाल जी लोगों को जोड़ते हुए इस देश की राजनीति को एक नयी दिशा देते थे, आपने भी सारी पार्टीज को जोड़कर जिस बहादुरी के साथ और जिस योग्यता के साथ इस सदन को चलाने का काम किया है, वह काबिले-तारीफ है और इसके लिए हम बार-बार आपको मुबारकवाद देते हैं। भविय में भी हम उम्मीद करेंगे और भगवान से प्रार्थना करेंगे कि इसी योग्यता के साथ आप कामयाब होते रहेंगे।

SHRI CHANDRA VIJAY SINGH (MORADABAD): Sir, I, on behalf of my Party, would like to congratulate you for the successful completion of one year. You have managed the House in a very commendable manner. You have been very patient to bear with all of us with our divergent views.

इसमें कोई दो राय नहीं हैं कि बहुत से सांसदों को आपने उनका छात्र जीवन याद करा दिया है। एक हैड मास्टर के रूप में आपने बड़े सुचारू रूप से काम किया है और मैं उम्मीद करता हूं कि जो आने वाला वर्ा है, उसमें थोड़ा समय आप छोटी पार्टियों को भी देंगे। इस उम्मीद के साथ आपको बहुत-बहुत बधाई।

SARDAR SIMRANJIT SINGH MANN (SANGRUR): Mr. Speaker, Sir, on behalf of the Shiromani Akali Dal and the minorities, I want to congratulate you and place our thanks on record about your impartiality as the protector of our freedom of speech, our privileges. You have done a remarkable job for which we will ever be grateful.

Sir, if the Opposition, of which I am a Member, is really sincere in congratulating you, then I hope this House will follow the time old traditions of British Parliamentary democracy and not allow anyone to contest against you in future elections.

SHRI P.C. THOMAS (MUVATTUPUZHA): Sir, you are sitting on a throne of thorns. But I find that you have really made it a throne of flowers. Your humongous patience -- courtesy Shri Jaipal Reddy -- your statesmanship, your experience, your general nature and your way of dealing things is something unique. I would think that you have given chance to all -- be it the senior Members, the junior Members, the big Party or the small Party. You have a policy of looking through the benches and seeing everybody. I wish you all success. I am sure, you would continue with your success for a long time to come. I, on behalf of my Party, wish you well.

श्रीमती निवेदिता माने (इचलकरंजी) : अध्यक्ष महोदय, आज आपके कार्यकाल का एक वर्ा पूरा हो गया है। उसके लिए मैं अपनी ओर से तथा अपनी पार्टी राट्र वादी कांग्रेस पार्टी की ओर से भी आपको हार्दिक बधाई देती हूं। I wish you a happy, healthy, wealthy and a prosperous life!

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको एक साल का कार्यकाल पूरा करने के लिए बधाई देता हूं।

आपने बहुत ही अच्छा एक साल पूरा किया।

सारे सांसदों को आपने बहुत प्यार दिया।

आपने विरोधी दल और सरकारी पक्ष को कभी-कभी क्रोध दिया।

इसीलिए आपने एक साल पूरा किया।

आज का यह ऑवर, है जीरो।

मगर आज जीरो ऑवर के बन गए हैं आप हीरो।

इस हाउस में हमारे जैसे और रघुवंश बाबू जैसे सदस्य हैं, इस हाउस को चलाना कितना मुश्किल है, यह आपने भी महसूस किया होगा। लेकिन फिर भी आपने बखूबी हाउस को चलाया। आपकी पार्टी का करेक्टर अलग होगा, लेकिन आपका करेक्टर अलग है। यहां आपने सबको सम्भालने का काम किया है। आपके लोक सभा अध्यक्ष के रूप में एक साल का कार्य पूरा करने पर मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से आपको हार्दिक बधाई देता हूं। इसके साथ ही आने वाले डेढ़ साल के लिए भी आपको बधाई देता हूं। डेढ़ साल के बाद क्या होगा, यह मुझे पता नहीं है। हम आपको आगे भी सहयोग करते रहेंगे। मुझ जैसे सदस्य का भी आपने आदर किया, हम भी आपका आदर करते हैं। आप इसी तरह काम करते रहें और हाउस को चलाते रहें। हम जैसी कई छोटी पार्टियां है।

आज तो हमारा एक मैम्बर है, भारतीय जनता पार्टी के 1982 में दो मैम्बर थे लेकिन अब उनके 182 मैम्बर हैं। हमारी पार्टी के भी दस साल के बाद 100 या 182 मैम्बर बन सकते हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए आपने हमें मौका दिया है, इसलिए मैं आपको बधाई देता हूं।

श्री सनत कुमार मंडल (जयनगर) : अध्यक्ष जी, आपका एक साल का कार्यकाल पूरा होने पर आपको मेरी और मेरी पार्टी की तरफ से हार्दिक बधाई देता हूं। जिस निपक्षता और योग्यता के साथ आपने हाउस में काम किया और छोटी एवं बड़ी पार्टियों, सीनियर और जूनियर मैम्बर्स का ध्यान रखते हुए उन्हें मौका दिया, उसके लिए मैं आपको हार्दिक बधाई देता हूं।

अध्यक्ष महोदय : श्री अली मोहम्मद नायक। नहीं हैं। आने के बाद भााण करेंगे। श्री सुरेश जाधव।

श्री सुरेश रामराव जाधव (परभनी) : सर, आप हमारे गुरू हैं और मुझे बहुत खुशी और गर्व है कि आप हाउस में स्पीकर बन गये। आज पूरा सदन आपको प्यार करता है और अभी जो सदन में सांसद और नेता बोले हैं उनका प्यार भी आपने हासिल किया है, उसके लिए मुझे बहुत खुशी और गर्व है। आपने सदन में जो आदर्श कायम किया है, उसकी छाया में हमारे जैसे सभी सदस्य काम करते रहेंगे। मेरी तरफ से और मेरी पार्टी शिव सेना की तरफ से आपको हार्दिक बधाई।

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल (कानपुर) : अध्यक्ष जी, मैंने आपसे इसलिए समय मांगा कि हमारी राट्रीय पार्टी है। हमारे दक्षिण भारत के दो सदस्य बोल चुके हैं लेकिन उत्तर भारत से कोई सदस्य नहीं बोला है। अध्यक्ष जी, एक साल जिस व्यक्ति के संपर्क में ऐसे बीत जाए जैसे दो महीने ही बीते हों, उससे पता चलता है कि व्यक्ति कितना महान है। हमें शुरू में पता नहीं था कि आप सदन का संचालन इतनी सफलतापूर्वक करेंगे। आज आपकी जितनी प्रशंसा सदन में हो रही है, उससे भी ज्यादा हम आपकी प्रशंसा सदन के बाहर करते हैं। इससे पता चलता है कि आपका व्यक्तित्व कितना गरिमापूर्ण है। मैं भी प्राथमिक सदन का चेयरमैन रह चुका हूं, कानपुर में मेयर रह चुका हूं। मुझे पता है कि कितनी परेशानियां आती हैं और खासकर जिन परिस्थितियों में तेहरवीं लोक सभा चल रही है, आपने जिस अंदाज से और जिस तरीके से सदन को चलाने की कोशिश की है, उसके लिए मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं। हम सभी लोग इस डैमोक्रेटिक प्रोसेस के अंग हैं। हम लोग आपसे शिक्षा लेकर, आपसे सीख लेकर, आगे चलकर, इस देश के लोकतंत्र को मजबूत करने का काम करेंगे। आपको पुनः बधाई।

MR. SPEAKER: Many speakers have spoken. There are many others who want to speak. But, firstly, it is very embarrassing to me and secondly, it is also not proper that the time of the House is taken on this discussion. Therefore, I request all of you − I have received your sentiments − to please bear with me. Let us not spend more time on this issue. Now Shrimati Sushma Swaraj.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुमा स्वराज) : अध्यक्ष महोदय, आज आप अपने अध्यक्षीय कार्यकाल का एक वर्ा पूरा कर रहे हैं। पिछले वर्ा 10 मई को आपने यह आसन ग्रहण किया था। हो सकता है, उस समय इस सदन के कुछ सदस्यों के मन में आपकी कार्यशैली को लेकर कुछ भ्रान्तियां रही हों, लेकिन एक पखवाड़े के भीतर ही आपने अपने काम करने के ढंग से उन भ्रान्तियों को निराधार कर दिया। आपने पूरी निपक्षता और योग्यता से इस सदन का संचालन किया। कभी दुलार से, कभी प्यार से और कभी फटकार से एक आम राय बनाते हुए आप सदन को एक साथ लेकर चले हैं। बजट सत्र के दौरान नई जिम्मेदारी के साथ मुझे आपके काम करने के ढंग को करीब से देखने का मौका मिला। जो व्यक्तिगत स्नेह और सहयोग इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए आपके साथ हुआ है, उसके लिए मैं आपके प्रति अलग से आभार प्रकट करना चाहती हूं।

आज जिस तरह से भावनायें सदन में प्रकट की गई है, उससे यह साफ आभास मिलता है कि सत्ता पक्ष से ज्यादा विपक्ष आपसे संतुट भी है और प्रसन्न भी। यह किसी भी स्पीकर के लिए इससे बड़ी आत्म-संतोा की बात नहीं हो सकती है। आपका कार्यकाल उपलब्धताओं से भरा हुआ है। उसमें कई राट्रीय और अंतर्राट्रीय आयोजन भी शामिल हैं। एक कमी जो महिला सांसदों को खटक रही है, मुझे लगता है, वह कमी भी आपके दूसरे कार्यकाल में पूरी होगी।

अध्यक्ष जी, सभी नेताओं ने अपनी ओर से जो जिम्मेदारी आपको सौंपी है, जिसके लिए आपने 16 जून को बैठक आहूत कर ली है, मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि आपका अगला कार्यकाल उसी उपलब्धि से प्रारम्भ हो और निश्चित तौर पर आपको वहां भी आम-सहमति बनाने में सफलता मिले, जो सफलता आपने अपने हर उस मुकाम पर प्राप्त की है, जो कठिन ही नहीं बल्कि जटिल भी था। इसलिए निश्चित तौर पर आप उसमें सफल हों। यही शुभकामनायें देते हुए आपको इस अच्छे और शानदार कार्यकाल के लिए बधाई देती हूं और आपके प्रति आभार प्रकट करती हूं।

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्यगण, मैं आपका बहुत ही आभारी हूं। मैंने इतनी शाकाहारी चर्चा इसके पहले कभी नहीं सुनी थी। इसलिए मैं आपका आभारी हूं।

I am indeed grateful to all of you and I profusely thank you for the words that you have expressed. I must say that it was with some apprehension that I occupied this exhalted Chair one year ago. I was somewhat apprehensive because I thought that the job of the Speaker was very demanding. Now, with one year's experience behind me, I have no hesitation in admitting that this job is indeed much more demanding than I expected.

Hon. Members, during this period, I had to face many difficult situations in the House. But with the kind co-operation of the hon. Leader of the House, the Leader of Opposition, Leaders of all political parties and all sections of the House, I have been able to conduct its proceedings more or less in an orderly manner, and I trust, to the satisfaction of all of you.

I have always believed that debates and discussions are the life and blood of parliamentary democracy. Therefore, I have exercised the powers conferred on me by the Rules of Procedures to enable all sections of the House to express their views so that different shades of opinions may be placed before the House on matters under discussion.

The House, you will agree, may be a place for verbal duels but certainly not for anything more aggressive than that. That being so, the Members have to realise the responsibility to cooperate with the Presiding Officer in ensuring orderly conduct of the business of the House and desist from disrupting its proceedings. We are all representatives of lakhs and lakhs of people and it is the duty of each one of us to conduct ourselves in a manner which will enhance the dignity of this august House and enable it to effectively function as the supreme legislative institution of the country. That is why, we should all work collectively for the welfare of the people who have elected us to this august House.

My endeavour through the last one year has been to facilitate this process by further streamlining the functioning of the House.

With the kind of cooperation of all of you, the Lok Sabha has been able to pass almost hundred Bills during the past one year. In the Winter Session alone, the House gave approval to 37 Bills which has been a record in the last thirty years.

I may also inform the hon. Members that the percentage of Questions orally answered on the floor of the House has gone up to 19 per cent out of the total listed Questions during this Session as compared to 9 per cent, 11 per cent and 16 per cent respectively during the pervious three Sessions. The time of the House lost due to interruptions and adjournments on account of disruptions of the proceedings has also come down. We are definitely making progress, though you all will agree that there is still scope for further improvement.

I consider myself fortunate that I came to occupy this august Office of the Speaker during the Golden Jubilee of our Parliament. With the cooperation of all the Leaders and Members of both the Houses, we have celebrated the Golden Jubilee in a befitting manner.

Hon. Members, I trust that I will continue to get the cooperation and affection of all sections of the House in future also and we shall, in this spirit of cooperation, be able to find a way to consider the Women's Reservation Bill as well. With all of us working together in a consensual manner, we can make our Parliamentary Democracy more meaningful and address the grievances of the common man in a more positive and purposive manner.

I would finally like to once again thank the Leaders, the Deputy Leaders, the Parliamentary Affairs Minister Shrimati Sushma Swaraj, the Leader of the Opposition Shrimati Sonia Gandhi, Leaders of all the political Parties and Groups and each one of you for your kind cooperation and the courtesy that you have extended to me. I am also thankful to the Deputy-Speaker Shri P.M. Sayeed Saheb and the Members of the Panel of Chairmen for their unstinted cooperation in conducting the House proceedings.

I would also like to thank all the officers and staff of the Lok Sabha Secretariat for their wholehearted cooperation in conducting the House.

I once again thank all the hon. Leaders and the hon. Members for their graciousness.

Friends, I express my sense of thanks to all of you for the confidence that you have bestowed upon me.

MR. SPEAKER: Now, we go to the Calling Attention. Shri Yogi Adityanath.

...(*Interruptions*)

SHRI T.M. SELVAGANPATHI (SALEM): Sir, we have given notice of a Censure Motion against the hon. Minister of Environment and Forests. That may be taken up at the earliest....(*Interruptions*)

Sir, the House has to decide the conduct of the Minister for issuing a notification which is prejudicial to the general public of this nation. He has gone on record to the Press just to score a political animosity. A notification was issued banning all construction activities in the coastal areas....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: All these issues can be discussed when we come to the 'Zero Hour."

...(*Interruptions*)

SHRI T.M. SELVAGANPATHI : We may be permitted to raise it.

MR. SPEAKER: We can go to 'Zero Hour.' During that time, you can raise this issue.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदयः समय बहुत कम है। मैं 15-20 मिनट जीरो आवर के नोटिस लेना चाहता हूं। ऐसा हो सकता है कि कॉलिंग अटैंशन अगले सैशन के लिए पोस्टपौन कर दें और उस समय मैं आपको बोलने का पूरा समय दूंगा।

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) :अध्यक्ष महोदय, यह गंगा के प्रदूाण से संबंधित मामला है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः आपका विाय बहुत महत्वपूर्ण है लेकिन इसे जल्दी पूरा कीजिए।

योगी आदित्यनाथ : मैं इसे जल्दी पूरा कर दूंगा। अध्यक्ष महोदय, हिन्दू धर्म संस्कृति के एक पवित्र आधार और प्रमुख प्रतीक की तरफ मैं आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं â€¦ (व्यवधान)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL (CHANDIGARH): May I seek a clarification?â€¦ (*Interruptions*) Will the Matters under Rule 377 be taken up before Lunch or after Lunch?

MR. SPEAKER: Matters under Rule 377 will be there. They will be taken up after Lunch.